

खनन (Mining)

- खनन वह प्रक्रिया है जिसमें पृथ्वी के शैलों से खनिजों को निकाल कर परिष्कृत किया जाता है। खनिजों का मानव विकास में बहुत बड़ा महत्व है किन्तु प्राकृतिक रूप में मिश्रित पदार्थ होने के कारण उपयोग में नहीं लाये जाते हैं। इन्हें कुछ विशेष प्रक्रियाओं द्वारा निकाला जाता है जिनमें उत्खनन एवं खनन अहम प्रक्रिया हैं।
- इसे आर्थिक रूप से लाभकारी प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।
- इसके अन्तर्गत योग्यता, औशल, तलनीली व पूंजी पर अधिक बल दिया जाना चाहिए।
- इसे Robber Industry (चोर उद्योग) कहा जाता है। क्योंकि इसके खनन में दहता का अभाव होता है।

महत्व:-

- यह सभ्यताओं के विकास का आधार होता है।
- आर्थिक एवं औद्योगिक उन्नति की नींव होता है।
- सभी राष्ट्र, प्रमुख धातुओं पर अपना आधिपत्य बनाना चाहते हैं।

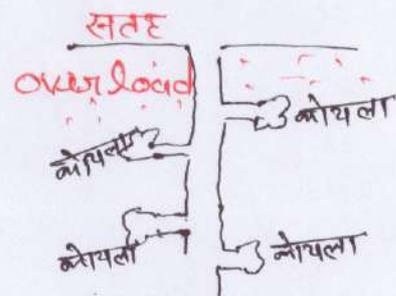
## खनन के प्रकार

### A- खुली खदान



- ↳ सतह के पास होती है।
- ↳ अल्पतम Overload कम होता है।
- ↳ खण्ड स्थान पर केन्द्रित होती है।
- ↳ कम तकनीकी व लागत की आवश्यकता होती है।
- ↳ खतरा कम

### B- द्विद्व खदान



- ↳ Overload अधिक होता है।
- ↳ खनिज विभेदीकृत होते हैं।
- ↳ तकनीकी, लागत अधिक एवं कुशल श्रम की आवश्यकता
- ↳ खतरा अधिक

## धातु

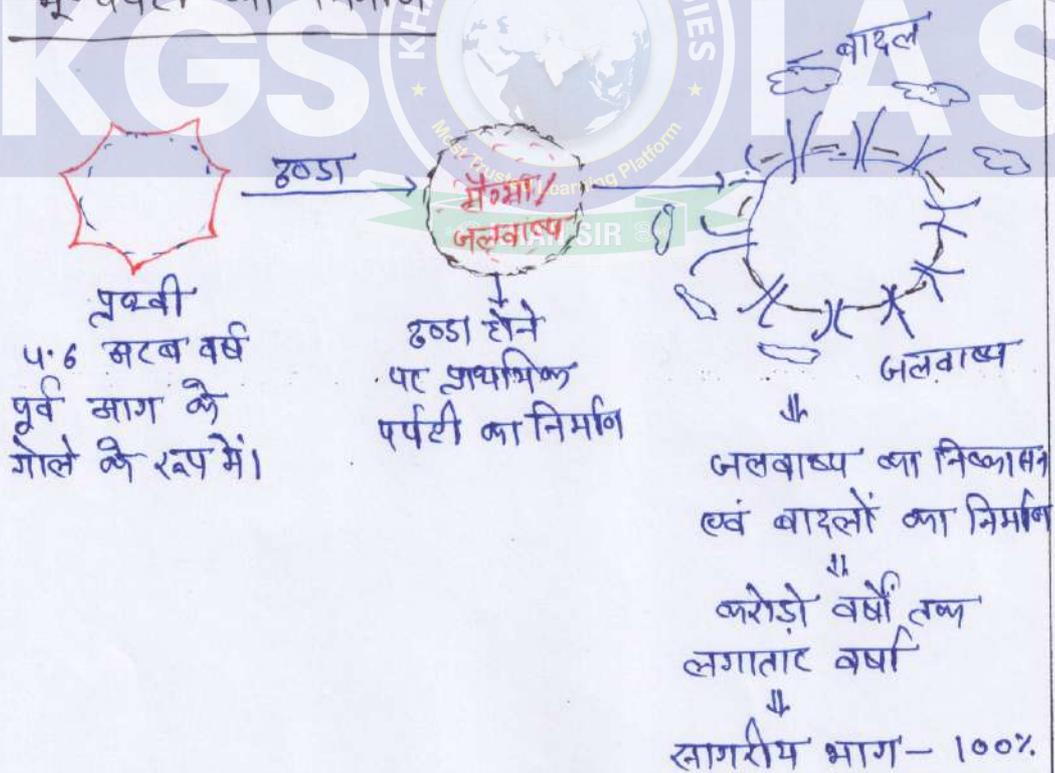
### पृथ्वी की स्थलमंडलीय उत्पत्ति

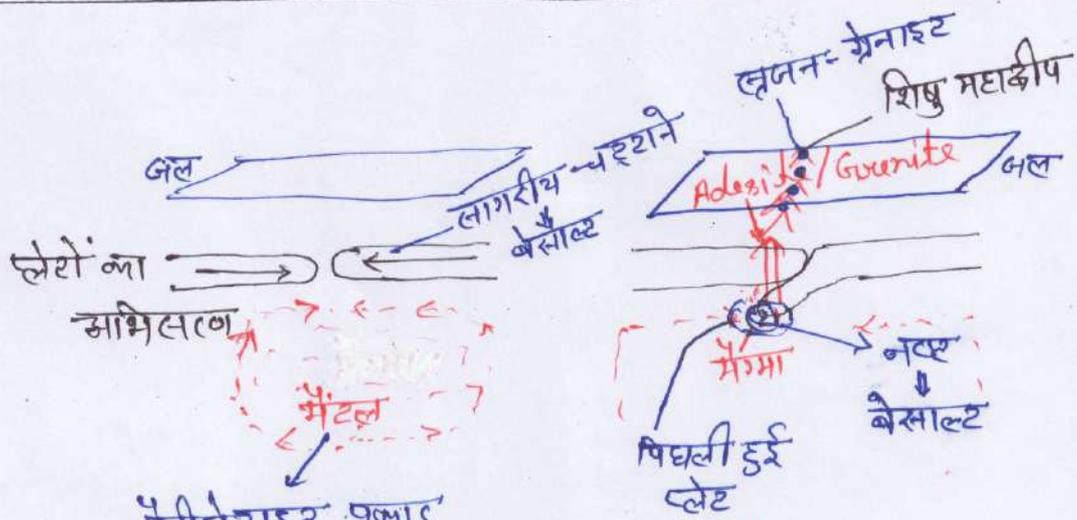
स्थलमंडल → वाह्य चट्टानी ठोस आवरण (प्लेट)

100% { → स्थलीय (महाद्वीपीय) भाग - 29%  
→ जलीय (महासागरीय) भाग - 71%

\* पहली/ प्राथमिक परपटी → 100% सागरीय  
वर्तमान में { जलीय - 29%  
स्थलीय - 71%

### भू-परपटी का निर्माण



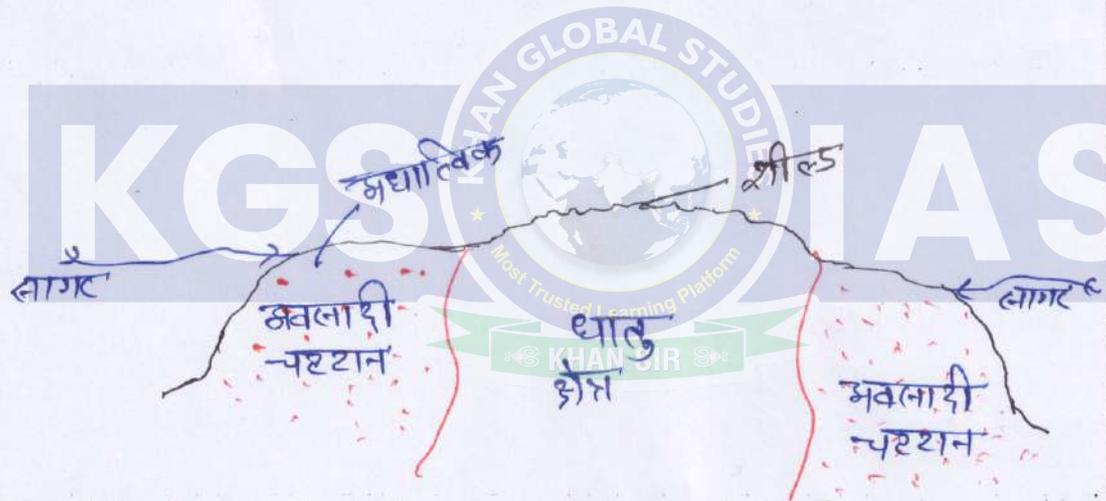
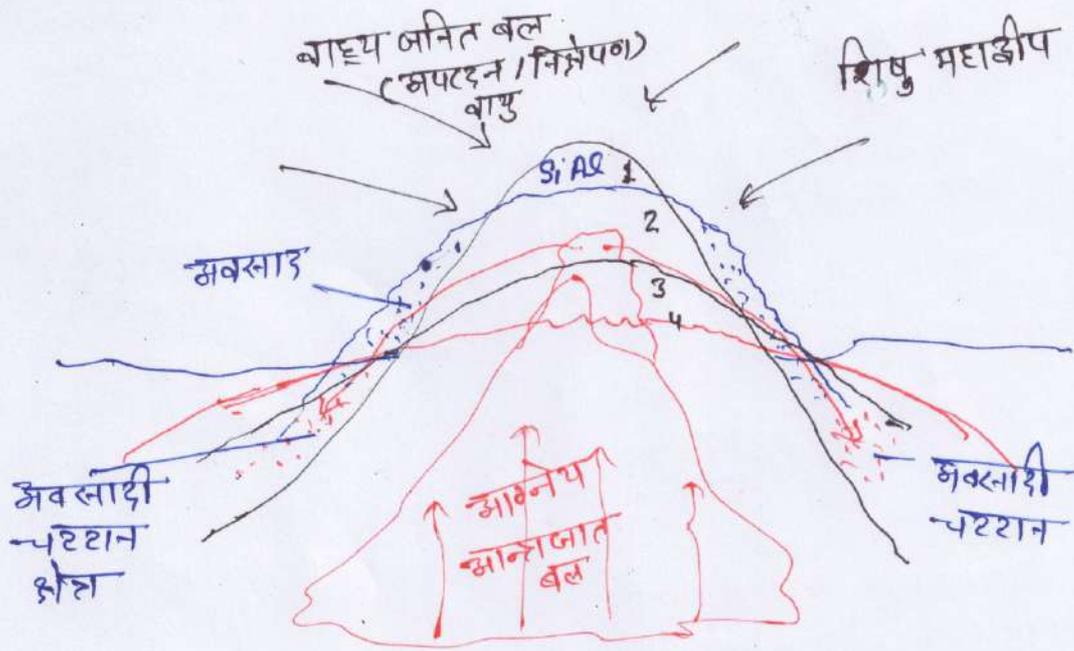


पैरीडोटाइट प्रजार  
का चट्टानें  
↓  
सबसे अधिक घनत्व  
की चट्टानें

मैंगला स्तर पर माने के  
बाद भौतिक एवं रासायनिक  
परिवर्तनों द्वारा एन्डेसाइट  
ग्रेनाइट चट्टानों का निर्माण  
करता है। ↓

जम घनत्व की चट्टानें  
↓  
बेसाल्ट चट्टानें नष्ट होती हैं  
स्वर्ण पर्यट पर ग्रेनाइट  
चट्टानों का सूजन होता  
है। ↓

अतः सागरीय पर्यट नष्ट  
होती जाती है एवं मघकीप  
पर्यट का सूजन एवं विस्तार  
होता जाता है।



→ प्रत्येक महाद्वीप → माग्नेय शील + अवसादी प्लैटफॉर्म + बलित पर्वत श्रृंखलाओं द्वारा निर्मित है।

उत्तरी अमेरिका वातु क्षेत्र

